परिचय

प्रदेश की शिक्षा गुणवत्ता में निरन्तर सुधार करने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए इस विभाग की स्थापना रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएँ, उत्तर प्रदेश के नाम से 1872 के आस–पास हुई थी। वर्ष 1921 में माध्यमिक शिक्षा परिषद (यू0पी0 बोर्ड) के गठन से पूर्व प्रदेश की समस्त शैक्षिक परीक्षाओं का उत्तरदायित्व इस विभाग का था। गुणवत्तापरख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षित करने हेतु शासन ने समय–समय पर अनेक संस्थानों एवं प्रशिक्षण महाविद्यालयों की स्थापना की और उनमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु अध्यापकों की परीक्षा एवं मूल्यांकन का कार्य इस विभाग को दिया गया। जिसका संचालन यथावत् आज भी हो रहा है।

वर्ष 1981 में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की स्थापना के उपरान्त चयनित प्रशिक्षु अध्यापकों की परीक्षा का समस्त कार्यों के लिए इस विभाग को अधिकृत किया।

कार्यालय परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 इलाहाबाद द्वारा निम्नलिखित परीक्षाओं के आयोजन के साथ–साथ मूल्यांकन कर परीक्षाफल घोषित किया जाता है –

(1) डी0एल0एड0(बी0टी0सी0) प्रशिक्षण परीक्षा
(2.) विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रशिक्षण परीक्षा
(3.) मृतक आश्रित बी0टी0सी0 प्रशिक्षण परीक्षा
(4.) उर्दू बी0टी0सी0 प्रशिक्षण परीक्षा
(5.) शिक्षा मित्रों की पत्राचार प्रशिक्षण परीक्षा
(6.) सी0 टी0 (नर्सरी) प्रशिक्षण परीक्षा
(7.) डी0 पी0 एड0 प्रशिक्षण परीक्षा
(8.) डिप्लोमा इन गाइडेन्स साइकालोजी
(9.) आग्लभाषा डिप्लोमा परीक्षा
(10) पुस्तकालय विज्ञान प्रमाण पत्र परीक्षा
(11) जू0 हा0 स्कूल/हा0 स्कूल स्तर की उर्दू प्रवीणता परीक्षा
(12) एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा
(13) केन्द्र पुरोनिधानित परीक्षा
(14) राज्य स्तरीय राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (प्रथम चयन) परीक्षा
(15) राष्ट्रीय आय अधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा
(16) उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)
(17) 72825 प्रशिक्षु शिक्षक चयन 2011
(18) समाज कल्याण/जनजाति विकास विभाग उ0प्र0 द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा

उक्त परीक्षाओं के आयोजन के साथ ही **डी0एल0एड0 प्रशिक्षण, सी0टी0 नर्सरी एवं डी0पी0एड0 प्रशिक्षण** हेतु ऑन लाइन आवेदन/चयन का कार्य भी विभाग द्वारा सम्पादित कराया जाता है।